

प्रेषक,

आर०सी० लोहनी,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,
देहरादून।

सिंचाई अनुभाग

देहरादून : दिनांक ०७ जुलाई, 2011

विषय:

वित्तीय वर्ष 2011-12 में आयोजनेत्तर पक्ष के अन्तर्गत पुनर्विनियोग का प्रस्ताव।

गहोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्रसंख्या 2066/मु०अ०वि०/वि०नि०/सी-2डी०, अधिष्ठान, दिनांक 07.06.2011 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि विभाग के अन्तर्गत रिक्त कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल/यांत्रिक) के पदों के विपरीत सेवानिवृत्त कर्मचारियों को मानदेय पर रखे जाने पर उनके मानदेय के भुगतान हेतु संलग्न बी०एम-15 के विवरणानुसार अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से पुनर्विनियोग द्वारा ₹ 21.00 लाख (₹ इक्कीस लाख मात्र) की धनराशि को व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. सम्बन्धित धनराशि का व्यय केवल उसी योजना मद के अन्तर्गत किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति जारी की जा रही है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
2. उक्त व्यय में बजट मैन्युअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका एवं शासन द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों सहित मितव्ययता के विषय में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।
3. स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपभोग दि० 31.03.2012 तक करना सुनिश्चित किया जायेगा।
4. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 के आय-व्ययक की अनुदान संख्या-20 के आयोजनेत्तर मद में संलग्न बी०एम०-15 के स्तम्भ-5 में उल्लिखित लेखाशीर्षक की सुसंगत प्राथमिक ईकाईयों के नामे डाला जायेगा तथा स्तम्भ-1 की बचतों से वहन किया जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-262/XXVII(2)/2011 दि०-29 जून, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न: यथोक्त

भवदीय,

(आर०सी० लोहनी)
संयुक्त सचिव।

संख्या-1743 (1)/11-2011-03(02)/2010, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित --

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
 2. निजी सचिव, मा० सिंचाई मंत्री जी को मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
 3. वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
 4. नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
 5. निदेशक, राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
 6. समस्त जिलाधिकारी/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
 7. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
 8. निदेशक कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
 9. गार्ड फाईल।
- संलग्न: यथोक्त

आज्ञा से
(एस०एस० टोलिया)
अनु सचिव।

विशेषज्ञों की लिखित प्रमाणित एवं विभागाध्यक्ष, सिविल विभाग, उत्तराखण्ड।
प्रमाणित किया कि वे उपरोक्त उक्त कार्य करने योग्य हैं।
दिनांक 08/01/2011-12

अवधि या प्रमाणित दिनांक 08/01/2011-12	मानक मदवार आयातितिक व्यय 4/2011 तक	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवधि सरलतम व्ययशि	स्थानांतरित की जाने वाली धनराशि सहित लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि स्थानांतरित किया जाना है।	पुनर्वित्तियोग के बाद साम-5 की कुल धनराशि	पुनर्वित्तियोग के बाद साम-1 की अवधि धनराशि	कुल अनुमानित
2700-सूचना सिस्टम 00-आयोजनकार 001-निदेशन तथा प्रशासन 04-कार्यकारी अधिकार 07-मानदंड	2	3	4	5	6	7	8
104500	11145	91255	2100 (ख)	2100 (क)	2105	102400	(क) धनराशि या अनुमानित के रूप में राशि या अंश के रूप में प्रमाणित न करके अनुमानित (ख) अनुमानित राशि
योग-	104500	11145	91255	2100	2105	102400	

प्रमाणित किया कि वे उपरोक्त कार्य करने योग्य हैं और अनुमान के प्रकार 150-156 में उल्लिखित प्रावधानों एवं योजनाएं तथा उल्लेखन नहीं होता है।

सहायक उप-प्रमुख
वित्त अनुभाग-2
युआन सं-262/(10)/XXVII(2)/2010
देहरादून, दिनांक 29 जन. 2011

पुनर्वित्तियोग स्वीकृत

सहायक उप-प्रमुख,
देहरादून।

सं. 143/11-2011-03/10/2011, तारीख 10/01/2011
वित्तियोग (1) कायम करके विभागीय, उत्तराखण्ड को सुनिश्चित एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
(2) वित्त (यथा विषय) अनुभाग-2

(सहायक उप-प्रमुख)
अनुमानित

(अनुमानित)
अनुमानित, वित्त

(अनुमानित उप-प्रमुख)
अनुमानित